21 फरवरी 2017 को इन्दौर आय हॉस्पिटल (Indore Eye Hospital) द्वारा स्थापित श्री गोविन्दराम सेक्सरिया Advanced Catract Surgery Centre के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में माननीय अध्यक्ष का भाषण

1. **इंदौर आई हॉस्पिटल (Indore Eye Hospital)** द्वारा आयोजित इस समारोह में यहाँ आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। इस अवसर पर सबसे पहले मैं स्वर्गीय प्रोफेसर जी.एस. वागले, स्वर्गीय डॉ जे. एस. महाशब्दे, स्वर्गीय डॉ. बी.के. जोशी और स्वर्गीय डॉ. एम.एन. बांडे को भावभीनी श्रद्धांजलि देना चाहूंगी जिन्होंने अपने परोपकारी सहयोगियों के साथ मिलकर इस अस्पताल की शुरुआत की। उनकी दूरदर्शिता के परिणामस्वरूप सभी वर्गों के लोगों और विशेष रूप से गरीबों और समाज के वंचित वर्गों के लोगों को कम लागत पर या जरूरत पड़ने पर निःशुल्क और बहुत अच्छी नेत्र देखभाल सेवा प्रदान की जाती है। उनकी सोच और प्रतिबद्धता के फलस्वरूप ही हम आज यहाँ इकट्ठा हुए हैं। उन्होंने इस क्षेत्र के लोगों के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर अपने व्यक्तित्व की अमिट छाप छोड़ी है। मैं श्री अभय भरकटिया की समर्पित और साधन–सम्पन्न टीम को धन्यवाद देती हूँ कि उन्होंने मुझे इस समारोह में आमंत्रित किया।

2. मुझे यह जानकर खुशी हुई है कि श्री गोविन्दराम सेक्सरिया चैरिटी ट्रस्ट ने श्री गोविन्दराम सेक्सरिया एडवांस्ड कैटरैक्ट सर्जरी सेंटर की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। **Indore Eye Hospital** इस केंद्र के माध्यम से गरीब और वंचित रोगियों को सेवाएं उपलब्ध करा पायेगा और सभी लोगों को अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर में सर्वोत्तम नेत्र देखभाल सेवाएं प्रदान करेगा। हम सब जानते हैं कि आँखें हमारी सबसे महत्वपूर्ण ज्ञानेंद्रियां हैं और सक्रिय जीवन जीने के लिए

आँखों का ठीक होना बहुत जरूरी है। नज़र खराब होने पर जीवन में कई प्रकार की कठिनाइयाँ आती हैं। आँखें हमारे दैनिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और हमारे लिए शायद सबसे बहुमूल्य उपहार हैं। इसी के माध्यम से हम उस ईश्वर की अनुपम रचना इस धरती को निहार पाते हैं और उसकी दिव्यता का अनुभव कर पाते हैं।

3. **आंखें कुदरत की नेमत हैं। ऋग्वेद (10–158) में नेत्र के विषय में यह कहा गया है:–**

''चक्षुर्नो देवः सविता चक्षुर्न उत पर्वतः।
चक्षुर्धाता दधातु नः। चक्षुर्नो धेहि चक्षुषे
चक्षुर्विख्ये तनूच्यः। संचेदं विच पश्येम।''

(Sun is supposed to give energy and life to the entire planet and strength to eyes. This prayer is for relief from eye diseases and for attaining brilliant vision. Its reading /chanting alone is sufficient. The vision is enhanced and eyes become brilliant. The prayer is addressed to Lord Surya and it is prayed that by relieving me from my own bad karma from the past life, instill light in my eyes and cure all my eye diseases.)

4. इसमें कोई शक नहीं कि साफ़ और स्पष्ट दिखाई देने पर दुनिया बहुत खूबसूरत लगती है और इसका हमारी सेहत और खुशहाली पर भी असर पड़ता है। सामाजिक रूप से यदि हम चाहते हैं कि समाज के सभी सदस्य स्वस्थ और सार्थक जीवन जियें तो इसका महत्त्व और बढ़ जाता है। मुझे इस बात से हार्दिक प्रसन्नता है कि मेरे शहर इन्दौर में ऐसे संस्थाएं हैं और बन रहीं हैं जो यहां के लोगों के परोपकारी

स्वभाव को दर्शाती है। मानव जीवन बड़े पुण्यों से मिलता है और परोपकार हमें सच्ची शांति देता है। यह बहुत सच्चा सुख और आनन्द है। परोपकारी व्यक्ति के लिए संसार कुटुम्ब बन जाता है और 'वसुधैव कुटुम्बमकम्' की हमारी भावना को प्रगाढ़ता मिलती है।

''आत्मार्थं जीवन लोके अस्मिन् को न जीवति मानवः

परं परोपकार्थं यो जीवति, सः जीवति।।''

(इस जीवलोक में अपने लिए कौन नहीं जीता? परंतु जो परोपकार के लिए जीता है, वही सच्चा जीवन है).

5. इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमें सबके लिए किफायती दरों पर अच्छी स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएँ प्रदान करने की ओर ध्यान देना चाहिए। जाति, रंग और नस्ल का भेद किए बिना हजारों वंचित और दुःखी लोगों के लिए साफ़ और स्पष्ट रूप से देख पाने के सपने को सच करने के लिए इंदौर ऑय हॉस्पिटल द्वारा की जा रही नई initiatives और innovative efforts सराहनीय हैं।

6. हमारे भारतीय वांगमय में भी दृष्टि (नेत्रों) और उनकी महत्ता पर विचार हुआ है। कृष्ण यजुर्वेदीय उपनिषद् चाक्षुषोपनिषद् में ऋषि अहिर्बुध्य ने इसका वर्णन किया है और इसके गायत्री छन्द में नेत्रों की बीमारियों के निदान के उपाय भी बताएं हैं। इसकी प्राथमिकता के आधार पर देखभाल की जानी चाहिए।

7. मुझे विश्वास है कि आँखों की देखभाल को बढावा देने की दिशा में अस्पताल द्वारा की गई पहलों के मध्य भारत में स्वास्थ्य देखभाल की स्थिति पर दूरगामी प्रभाव होंगे। मुझे आशा है कि यह अस्पताल विशेष कर ग्रामीण और दूर–दराज के क्षेत्रों में हमारे समाज के गरीब और वंचित वर्गों की सेवा का यह महान कार्य जारी रखेगा।

8. मित्रो! इंदौर ऑय हॉस्पिटल **(Indore Eye Hospital)** की नई इमारत अस्पताल के साथ जुड़े सभी लोगों की दूरदर्शिता, कड़ी मेहनत और वचनबद्धता की साक्षी है। मुझे विश्वास है कि इस आधुनिक भवन की स्थापना के बाद यहाँ उपलब्ध कराई जाने वाली नई सुविधाओं से अस्पताल के साथ जुड़े सभी लोग और अधिक जोश से काम करेंगे। इस शुभ अवसर पर मैं उन सभी लोगों को बधाई देना चाहूंगी जिन्होंने लोगों और विशेष कर दलितों की सेवा के लिए स्वास्थ्य देखभाल के माध्यम के रूप में इस अस्पताल के विकास के लिए कार्य किया है।

9. इस भवन का नाम स्वर्गीय गोविन्दराम सेक्सरिया के नाम पर रखा जा रहा है जिसका सांकेतिक अर्थ भी है। यह उनके व्यक्तित्व, लोगों के साथ उनके जुड़ाव और जन सेवा की उनकी भावना का मूर्त रूप है। स्वतंत्रता पूर्व भारत के सबसे सफल व्यवसाइयों में से एक, गोविन्दराम जी ने गरीबों और दलितों के उत्थान के लिए कार्य किया और उनके दिल में घृणा और संकीर्णता के लिए कोई स्थान नहीं था। एक ऐसा व्यक्ति, जिसे अपने देश और विदेशों में भी इतना आदर सम्मान मिला और जिसने अनेक कॉलेजों, हाई स्कूलों और शैक्षिक संस्थाओं की स्थापना की, उसने स्वयं औपचारिक शिक्षा ग्रहण नहीं की थी। फिर भी, गोविन्दराम जी की जन शिक्षा में विशेष रूचि थी और उनका नाम अनेक संस्थाओं के साथ जुड़ा हुआ है। वह बहुत ही विनम्र और शालीन थे और उनकी उदारता के अनेक कायों के बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। वह उदारता अथवा सरपरस्ती का दिखावा किए बिना दान दिया करते थे। यह उपयुक्त ही है कि नए भवन का नाम उनके नाम पर रखा जा रहा है। मैं इंदौर ऑय हॉस्पिटल **(Indore Eye Hospital)** और श्री गोविन्दराम सेक्सरिया चैरिटी ट्रस्ट को उनकी कल्याणकारी पहल के लिए बधाई देती हूँ और उनकी सफलता की शुभकामना करती हूँ।

मित्रो, स्वर्गीय गोविन्दराम सेक्सरियाजी हमारे दिलों में हमेशा जीवित रहेंगे। इन्हीं शब्दों के साथ मैं इस नए भवन का सहर्ष उद्घाटन करती हूँ।

धन्यवाद।

———